महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

संपादक : **डॉ. मधुकर खराटे**
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बोदवड महाविद्यालय, बोदवड
पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय, उ. म. वि., जलगांव.

वर्ष : 23
अंक : 25

कार्यकारी संपादक : **डॉ. राजेंद्र रोटे**
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद, **अध्यक्ष एवं सहयोगी प्राध्यापक,** हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय
पूर्व सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 27 वाँ अधिवेशन एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी

श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव

(दि. 10 एवं 11 जनवरी, 2020)

मान्यवर आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 27 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी **श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव (महाराष्ट्र)** में **''हिंदी साहित्य और हाशिए का समाज''** इस विषय पर दि. **10** एवं **11** जनवरी, **2020** को संपन्न होने जा रही है।

पाचोरा तालुका सहकारी शिक्षण संस्था – जलगाँव जिले के पाचोरा तहसिल में पाचोरा तालुका सहकारी शिक्षण संस्था एक प्रतिष्ठित विशाल शैक्षिक संस्था है। संस्था की स्थापना स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सन् 1936 में हुई। पाचोरा तथा संलग्न ग्रामीण, पहाडी इलाके में बसे सामान्य परिवार के आदिवासी तथा दलित समुदाय के छात्रों को शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध हो इस उदार एवं उदात्त दृष्टिकोण से संस्था की स्थापना हुई। संस्था के इस विशाल वटवृक्ष में कै. तात्यासो. द. मों. परांजपे, कै. श्री. महावीरप्रसाद मानसिंगका, कै. बापुसो. के. एम. पाटील, कै. आप्पासो. ओंकार नारायण वाघ, कै. अण्णासो. ॲड. आर. एस. थेपडे इनका महत्त्वपूर्ण योगदान है। संस्था के पाचोरा तथा दूर-दराज के गाँवों, पहाडी इलाको में प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, आश्रमशाला, उच्च माध्यमिक व्यवसाय अभ्यासक्रम तथा कनिष्ठ एवं वरिष्ठ महाविद्यालय आदि कुल 18 शाखाएँ हैं, जिनमें प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में छात्र शिक्षा प्राप्त कर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक, सामाजिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, व्यावसायिक एवं अन्य विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित पदों पर कार्य कर अपनी सर्वोत्तम सेवा दे रहे हैं। संस्था के वर्तमान अध्यक्ष, पूर्व विधायक भाऊसाहब दिलीप वाघ, चेअरमन नानासाहब संजय वाघ समेत संस्था के कई पदाधिकारी एवं संचालक इसी संस्था के भूतपूर्व छात्र है।

श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा – की स्थापना सन् 1970 में हुई। आज महाविद्यालय की विविध शाखओं में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र अध्ययन कर रहे है। वरिष्ठ महाविद्यालय से संलग्न कनिष्ठ महाविद्यालय, उच्च माध्यमिक व्यवसाय अभ्यासक्रम तथा यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय के अभ्यासक्रम केंद्र आदि कुल मिलाकर लगभग 5,600 छात्र अध्ययन कर रहे हैं।

महाविद्यालय में छात्रों के बहुमुखी प्रतिभा विकास हेतु अनेक कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर होता रहता है। महाविद्यालय ने अपने आपको बिजली के क्षेत्र में स्वयंपूर्ण बनाया है। दैनिक कामकाज हेतु आवश्यक बिजली की निर्मिति सौर उर्जा द्वारा की जाती है, उर्वरित बिजली विद्युत कंपनी को बिक्री की जाती है। महाविद्यालय को नॅक पुर्नमूल्यांकन में बी श्रेणी प्राप्त हुई है। महाविद्यालय को ग्रीन ऑडिट के साथ-साथ ISO मानांकन भी मिला है।

हिंदी विभाग – महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा निरंतर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। विभाग ने उत्तर महाराष्ट्र हिंदी प्राध्यापक परिषद एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया था।

पर्यटन स्थल – पाचोरा से महज 45 कि.मी. के अंतर पर विश्व प्रसिद्ध अजंता की बहुत ही कलात्मक, अद्भूत शिल्प एवं गुफाएँ स्थित है। **मार्ग – पाचोरा पश्चिम रेल के भुसावल-मुंबई रेल मार्ग पर जलगाँव से 50 कि.मी. अंतर पर है।**

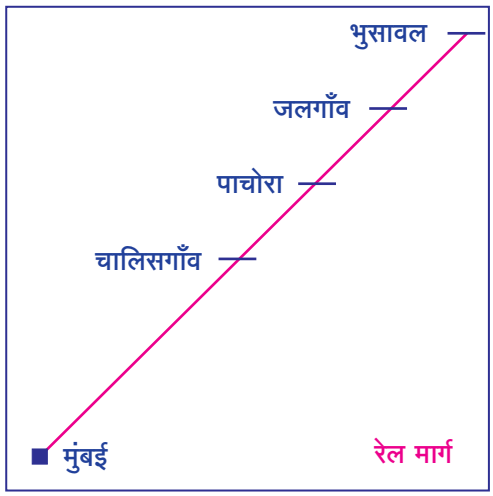

-० संयोजक ०-
डॉ. जिजाबराव पाटील
भ्रमणध्वनि : 8275588961

-० सह संयोजक ०-
प्रा. उर्मिला पाटील
भ्रमणध्वनि : 9359591391
प्रा. अनुराधा पवार
भ्रमणध्वनि : 8788515212
दुरभाष (कार्या.) : 02596 - 245314

-० अधिवेशन शुल्क ०-
प्रतिभागी : रु. 1000/- + 300/- (सहयोग राशि)
छात्र : रु. 300/-

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●
● हिंदी के सभी प्राध्यापक **''हिंदी शोध संदर्भ कोश''** खरीद कर सहयोग दें । ●

पारनेर में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 26 वें अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 26 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'समकालीन हिंदी गजल : विविध विमर्श' इस विषय पर न्यू आर्टस्, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, पारनेर, जि. अहमदनगर में बड़े उत्साह के वातावरण में संपन्न हुई । अधिवेशन का उद्घाटन शुक्रवार दि. 21 दिसंबर, 2018 की सुबह 11 बजे मा. डॉ. शितलाप्रसाद दुबे जी के करकमलों से संपन्न हुआ । अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज, पारनेर के अध्यक्ष मा. आ. नंदकुमार झावरे पाटील जी ने अध्यक्षता की । सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे के हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सदानंद भोसले जी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे । उन्होंने 'समकालीन हिंदी गजल' इस विषय पर अपना बीजभाषण प्रस्तुत किया । डॉ. मधुकर खराटे जी ने परिषद का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया । इस अवसर पर परिषद की पत्रिका 'सार्थक उपलब्धि' का विमोचन मान्यवरों के हाथों संपन्न हुआ ।

दोपहर 1.00 बजे प्रथम सत्र 'समकालीन हिंदी गजलों में सामाजिक विमर्श' इस विषय पर प्रारंभ हुआ । डॉ. माधवी जाधव जी ने विषय प्रभावी रुप से प्रस्तुत किया । डॉ. सुनिल कुलकर्णी अध्यक्ष के रूप में थे । द्वितीय सत्र 'हिंदी गजलों में राजनीतिक विमर्श' इस विषय पर हुआ । डॉ. मिथिलेश अवस्थी ने विषय प्रस्तुत किया और डॉ. ईश्वर पवार जी ने अध्यक्षता की । शाम सात बजे डॉ. रघुनाथ कश्यप, भुसावल और डॉ. कमर सरूर जी ने गजलों का रंगारंग कार्यक्रम पेश किया ।

शनिवार दि. 22 दिसंबर, 2018 के दिन सुबह 9.00 बजे तृतीय सत्र 'समकालीन हिंदी गजलों में आर्थिक एवं धार्मिक विमर्श' और चतुर्थ सत्र 'हिंदी गजलों में अन्यान्य विमर्श' इस विषय पर संपन्न हुए । डॉ. हणमंत जगताप जी ने विषय प्रस्तुत किया और अध्यक्ष के रूप में डॉ. संजय शर्मा जी उपस्थित थे । इन सभी सत्रों में आलेख कर्ताओं ने अपने आलेख प्रस्तुत कर विस्तृत चर्चा की ।

सुबह 11.00 बजे परिषद का खुला अधिवेशन हुआ । डॉ. मधुकर खराटे जी ने अध्यक्षता निभाई और डॉ. पी. एस. पाटील जी ने सूत्र संचालन किया । इस अवसर पर डॉ. शहाबुद्दीन शेख जी को परिषद की ओर से 'सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया और डॉ. अशोक गायकवाड जी को 'उत्कृष्ट आलेख पुरस्कार' दिया गया । डॉ. राजेंद्र रोटे जी ने पिछली आम सभा का इतिवृत्त प्रस्तुत किया तथा डॉ. गजानन चव्हाण जी ने आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत किया । इस अवसर पर ग्रंथों का विमोचन मान्यवरों के हाथों संपन्न हुआ । इस अवसर पर अनेक प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई और उन्हें पारित किया गया ।

अधिवेशन का समापन समारोह दोपहर 12.00 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंगनाथ आहेर जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । प्रमुख अतिथि डॉ. चंद्रदेव कवडे जी थे । संगोष्ठी के संयोजक डॉ. विजय राऊत जी ने कार्यक्रम का प्रास्ताविक किया । इस अवसर पर डॉ. मधुकर खराटे, डॉ. अंबादास देशमुख, डॉ. पी. एस. पाटील, डॉ. अनिल सालुंखे, डॉ. अरूण घोगरे, डॉ. राजेंद्र रोटे एवं डॉ. गजानन चव्हाण उपस्थित थे । डॉ. हनुमंत गायकवाड जी ने आभार प्रदर्शन किया । सूत्र संचालन डॉ. अशोक बाचुलकर जी ने किया ।

निवेदन हैं कि...

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा हो । E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

1. सारस्वत सम्मान –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से रु. 2100/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है ।

2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार –

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 27 वें अधिवेशन में 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन कर परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से रु. 1001/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है ।

-: संपर्क :-

डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
बोदवड महाविद्यालय, बोदवड
भ्रमणध्वनि - 9422567778

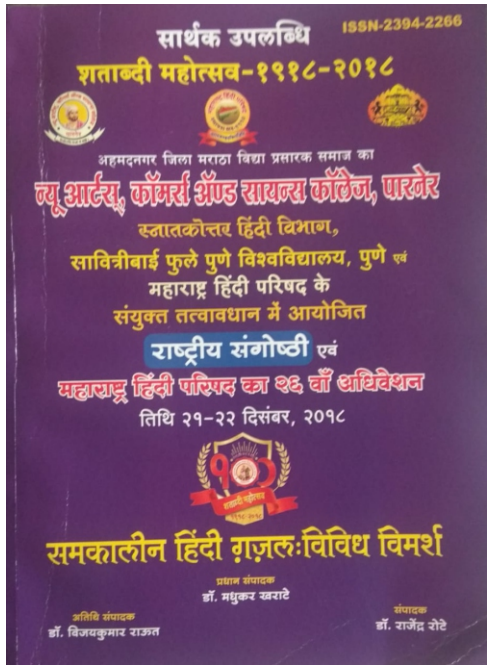

-० सूचना ०-

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों को यह सूचित किया जाता है कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद का पंचवार्षिक चुनाव परिषद के 27 वें अधिवेशन में संपन्न होगा । चुनाव की यह सूचना 'सार्थक उपलब्धि' के इस अंक द्वारा परिषद के सभी आजीवन सदस्यों को दी जाती है ।

अध्यक्ष
महाराष्ट्र हिंदी परिषद

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए ।
- हिंदी के प्राध्यापकों को परिषद के आजीवन सदस्य बनाइए ।
- शैक्षिक वर्ष में राज्य तथा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त आजीवन सदस्यों की जानकारी तथा अवकाशप्राप्त आजीवन सदस्यों के आगमन की लिखित सूचना संयोजक को दीजिए ।
- पुरस्कार स्वरुप परिषद के पास ठोस रकम तथा प्रस्ताव भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए ।
- लोकार्पण हेतु अपने मौलिक ग्रंथों की तीन प्रतियाँ साथ लाइए ।
- संगोष्ठियों में भाग लेकर सक्रिय योगदान दीजिए तथा आगमन की सूचना दीजिए ।
- परिषद के सदस्य एवं प्रतिभागियों से अनुरोध है कि परिषद का प्रकाशन 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' स्वयं तथा अपने महाविद्यालय के लिए खरीदकर सहयोग दें ।

- परिषद के नियामक मंडल की बैठक अधिवेशन स्थल पर दि. 9 जानेवारी, 2020 को सायं. 7.30 बजे संपन्न होगी । नियामक मंडल के सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

-: संगोष्ठी का विषय :-

''हिंदी साहित्य और हाशिए का समाज''

उप विषय :
1. उपन्यास साहित्य और हाशिए का समाज ।
2. कहानी साहित्य और हाशिए का समाज ।
3. काव्य साहित्य और हाशिए का समाज ।
4. नाट्य साहित्य और हाशिए का समाज ।
5. अन्यान्य साहित्य और हाशिए का समाज ।

(हाशिए के समाज के अंतर्गत नारी विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श, किन्नर विमर्श, बाल विमर्श, कृषक विमर्श, मुस्लिम विमर्श, वृद्ध विमर्श आदि विमर्शों पर चिंतन एवं लेखन अपेक्षित हैं ।)

-: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

1. आलेख 1500 से 2000 शब्दों में हो तथा दि. 10 दिसंबर, 2019 तक संयोजक के पते पर भेजें ।
2. शोध आलेख कृतिदेव – 10, मंगल, ISM, Font Size 16 में A4 साईज पेपर में टंकित हो ।
3. आलेख की टंकित प्रति के साथ साथ MS Word File तथा PDF File दोनों प्रेषित करें ।
4. आलेख की टंकित प्रति के साथ 100-150 शब्दों तक सार भी प्रेषित करें ।
5. आलेख संयोजक डॉ. जिजाबराव पाटील के ई–मेल **drjvpatil2@gmail.com** पर भेज दीजिए ।
6. शोधालेख के साथ रु. **1300** /– (अधिवेशन शुल्क) का D.D. / RTGS / NEFT प्राचार्य, एस. एस. एम. एम. कॉलेज, पाचोरा के नाम (बैंक ऑफ महाराष्ट्र के खाता क्र. 20222672370, IFSC : MAHB0000309 में देय) भेज दीजिएगा । शोधालेख Peer Reviewed Journal में प्रकाशित किए जाएँगे ।
7. भुगतान की रसीद (फोटो कॉपी) संयोजक के What's app पर अवश्य प्रेषित करें ।

-: अधिवेशन की स्थूल रुपरेखा :-

शुक्रवार दि. 10 जनवरी, 2020

प्रातः	:	08.30 से 10.00	पंजीकरण तथा जलपान
		10.00 से 12.30	उद्घाटन
दोपहर	:	12.30 से 02.00	बीजभाषण
		02.00 से 03.00	भोजन
		03.00 से 04.30	प्रथम सत्र
		04.30 से 05.30	द्वितीय एवं तृतीय सत्र (समांतर)
सायं.	:	06.30 से 07.30	भोजन
		07.30 से 10.00	सांस्कृतिक समारोह

शनिवार दि. 11 जनवरी, 2020

प्रातः	:	07.30 से 08.30	जलपान
		09.00 से 11.00	चतुर्थ एवं पंचम सत्र (समांतर)
		11.00 से 12.00	खुला अधिवेशन
दोपहर	:	12.00 से 01.00	समापन समारोह (सत्कार / लोकार्पण / पुरस्कार)
		01.00 से 02.00	भोजन

(सदस्यों से अनुरोध हैं कि वे खुले अधिवेशन में रखे जानेवाले प्रस्ताव संयोजक के पास सूचक तथा अनुमोदक के नाम एवं हस्ताक्षर के साथ 10 जनवरी, 2020 तक देने का कष्ट करें ।)

महाराष्ट्र हिंदी परिषद की कार्यकारिणी

❖ अध्यक्ष

डॉ. मधुकर खराटे
राजेश्वर नगर, फेज – 1,
प्रोफेसर कॉलनी, भुसावल – 425 201
भ्रमणध्वनि – 9422567778

❖ उपाध्यक्ष

◆ **डॉ. अनिल सालुंखे**
हिंदी विभाग, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय,
करमाला, भ्रमणध्वनि – 9421023304

◆ **डॉ. अरुण धोंगरे**
पंचायत समिती के सामने, सिव्हिल लाईन,
परतवाडा, जि. अमरावती – 444 805
भ्रमणध्वनि – 9422858299

❖ कोषाध्यक्ष

डॉ. राजेंद्र रोटे
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर – 416 003
भ्रमणध्वनि – 9637291129

❖ प्रधान सचिव

डॉ. गजानन चव्हाण
हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत
कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि – 9890277316

❖ संयुक्त सचिव

डॉ. हणमंतराव पाटील
प्रपाठक, हिंदी विभाग,
डॉ. बा. आं. मराठवाडा विश्वविद्यालय,
औरंगाबाद, भ्रमणध्वनि – 9420547070

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

डॉ. शिवाजी देवरे, जलगांव
डॉ. पूनम त्रिवेदी, नागपुर
डॉ. भारती शेलके, कोल्हापुर
डॉ. अशोक धुलधुले, पुणे
प्रा. दादासो खांडेकर, सोलापुर
प्रा. देविदास बामणे, मुंबई
डॉ. देवकीनंदन महाजन, एस.एन.डी.टी.
डॉ. सुजीतसिंह परिहार, नांदेड

❖ पदेन मनोनित सदस्य

डॉ. वसंत केशव मोरे, कोल्हापुर
डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. अर्जुन चव्हाण, कोल्हापुर
डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे, लातुर
डॉ. नारायण शर्मा, औरंगाबाद

❖ मनोनित सदस्य

डॉ. मनोहर सराफ, भुसावल
डॉ. अंबादास देशमुख, लातुर
डॉ. बाबासाहेब कोकाटे, आंबेजोगाई
डॉ. रमाकांत आपरे, जालना
डॉ. सुरेश सालुंखे, बारामती

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का गौरवशाली प्रकाशन
'हिंदी शोध संदर्भ कोश'

महाराष्ट्र में शोध की पुनरावृत्ति न हो तथा शोध में स्तरीयता लाने हेतु परिषद ने महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों में सन् 2000 तक संपन्न शोध-कार्य पर एक परिपूर्ण संदर्भ कोश बनाने की योजना बनाई थी । अथक परिश्रम से सह कार्य संपन्न हो चुका है । शोधार्थियों तथा शोध निर्देशकों के लिए यह कोश दिशानिर्देशक तथा ग्रंथालय के लिए संग्राह्य बन चुका है । इस कोश का मूल्य रु. 400/- है । संस्था / ग्रंथालय तथा व्यक्ति को 50% छूट दी जाएगी । कोश अधिवेशन स्थल पर उपलब्ध होगा । सन् 2000 के बाद काफी शोधकार्य संपन्न हुआ है । अतः 'शोध-संदर्भ कोश' का द्वितीय खंड तैयार करना जरुरी है । हर एक महाविद्यालय के ग्रंथालय के लिए इसकी एक प्रति खरीदने से ही 'दूसरा खंड' प्रकाशित करना संभव हो सकता है । अतः प्रतिभागियों से अनुरोध हैं कि वे अपने महाविद्यालय से नगद या परिषद के नाम का डी. डी. (कोल्हापुर में देय) अपने साथ ले आए और 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' खरीदें ।

❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :
डॉ. राजेंद्र रोटे, कोषाध्यक्ष, म. हिं. परिषद
2716, डी वॉर्ड, बुधवार पेठ, कोल्हापुर-416002
डॉ. गजानन चव्हाण, प्रधान सचिव, म. हिं. प.

❖ संपादक :
डॉ. मधुकर खराटे
अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद

प्रेषक,

डॉ. राजेंद्र रोटे
कोषाध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
द्वारा – हिंदी विभाग, महावीर महाविद्यालय,
कोल्हापुर – 416 003.
भ्रमणध्वनि – 9637291129.

सदस्यों में निः शुल्क वितरण के लिए ।

बुक-पोस्ट (मुद्रित सामग्री)

प्रतिष्ठा में,

_____

_____

_____

_____